रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
RailTel Corporation of India Ltd. (A government of India Enterprise)
www.railtelindia.com

दिनांकः 6.9.2021

प्रेस विज्ञप्ति

रेलटेल ने सीआईएल (CIL) की सहायक कंपनियों की 390 लोकेशनों को एमपीएलएस-वीपीएन नेटवर्क पर कनैक्ट कर दिया है

कुल कार्यादेश(Work Order) 136.93 करोड़ रु. का है जिसमें एएमसी(AMC) भी शामिल है

यह एमपीएलएस वीपीएन नेटवर्क कोयला सेक्टर की उत्पादकता बढ़ाने में योगदान दे रहा है

रेलटेल ने सुरक्षित एमपीएलएस-वीपीएन नेटवर्क पर नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की 146 लोकशनों, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की 240 लोकेशनों और नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स का 4 लोकेशनों को जोड़ने का कार्य पूरा कर लिया है। कुल कार्य का मूल्य 136.93 करोड़ रु. जिसमें नेटवर्क का एएमसी (वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध) भी शामिल है। कोल इंडिया की ये सब्सिडियरीज प्रोजेक्ट की डेडलाइन से पहले नेटवर्क से जोड़ी जा चुकी थीं।

रेलटेल देश भर में कोल इंडिया और सीएमपीडीआई सहित इसकी सभी सहायक कंपनियों के लिए सुरक्षित कनेक्टिविटी उपलब्ध कराती है। वर्तमान में रेलटेल कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के लिए 1400 से अधिक लोकेशनों पर एमपीएलएस वीपीएन कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रही है और यह संख्या बढ़ ही रही है। रेलटेल 150 करोड़ रुपये (एएमसी सहित) की लागत से वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड की 447 लोकेशनों पर एमपीएलएस वीपीएन कनेक्टिविटी देने के अंतिम चरण में है।

कोयला क्षेत्र अपनी दूरस्थ कोयला खदानों और कनेक्टिविटी में भौगोलिक कठिनाई के कारण एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। कोयला कंपनियों के लिए प्रभावी कार्यपद्धति के लिए अपनी खदानों और कार्यालयों को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर जोड़ना एक बड़ी चुनौती थी। यह एमपीएलएस वीपीएन नेटवर्क कोयला क्षेत्र को अधिक कुशल, पारदर्शी बनाकर और मैनुअल रिकॉर्ड रखने के कार्य को कम करके उत्पादकता में वृद्धि करके डिजिटलीकरण को सक्षम कर रहा है।

इस परियोजना के बारे में बात करते हुए श्री पुनीत चावला, सीएमडी / रेलटेल ने कहा, " 2012-13 से रेलटेल के लिए कोयला सेक्टर एक महत्वपूर्ण सेक्टर है क्योंकि कोल इंडिया और इसकी सहायक कंपनियों का कारोबार प्रत्येक वर्ष बढ़ रहा है। केवल इसी वर्ष में, जनवरी 2021 के बाद से, हमे कोल इंडिया की सहायक कंपनियों से 300 करोड़ रुपए से अधिक के आर्डर प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में हमारे पास अगले 4-5 वर्षों के लिए कोयला सेक्टर से लगभग 100 करोड़ रुपये का आवर्ती राजस्व है और हम आशा करते हैं कि पूरे सेक्टर के डिजिटलीकरण के जोर के कारण और वृद्धि होगी।

रेलटेल द्वारा निर्मित और अनुरक्षित यह एमपीएलएस-वीपीएन नेटवर्क कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में एकल इंस्टेंस ईआरपी के कार्यान्वयन की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है - जिसे 'प्रोजेक्ट पैशन' नाम दिया गया है। एक सीआईएल, एक डेटाबेस और एक बिजनेस ब्लूप्रिंट बनाने के उद्देश्य से, 'प्रोजेक्ट पैशन' कोयला क्षेत्र के डिजिटलीकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप प्रक्रिया का अनुकूलन और व्यवसाय में वृद्धि होगी। रेलटेल द्वारा बनाया जा रहा यह मजबूत मानक समरूप एमपीएलएस-वीपीएन नेटवर्क कोल इंडिया की कुल परिचालन प्रक्रियाओं में तालमेल बिठाने में मदद कर रहा है।

एमपीएलएस वीपीएन के अलावा, रेलटेल कोयला कंपनियों को लीज लाइन सेवाएं, इंटरनेट बैंडविड्थ, सीसीटीवी कार्यान्वयन, एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, LAN/WAN कनेक्टिविटी आदि भी प्रदान करता है।

रेलटेल के बारे में

रेलटेल एक "मिनी रत्न (श्रेणी-I)" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, जिसके पास देश के कई कस्बों एवं शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को कॅवर करने वाला अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है। ऑप्टिक फाइबर के 60000 से अधिक मार्गकिलोमीटर के एक मजबूत विश्वसनीय नेटवर्क के साथ, रेलटेल के पास इलैक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रोद्यौगिकी मंत्रालय में पैनलबद्ध दो टियर III डेटा सेंटर भी हैं। अपने अखिल भारतीय उच्च क्षमता नेटवर्क के साथ, रेलटेल विभिन्न फ्रंटों पर एक नॉलेज़ सोसाइटी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और इसे दूरसंचार क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए चुना गया है। रेलटेल एमपीएलएस-वीपीएन, टेलीप्रेजेंस, लीज्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, डाटा सेंटर सेवाएं आदि जैसी सेवाओं का एक समूह उपलब्ध कराती है। रेलटेल भारतीय रेलों के साथ मिलकर भारत भर में सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध कराकर रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में बदलने का कार्य भी कर रही है और कुल 6050 से अधिक स्टेशन रेलटेल के रेलवॉयर वाई-फाई से सज्जित हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें-

sucharita@railtelindia.com